Su Mo Tu We Th Fr Sa

Date: / /

24. Lecture

सिन्धु सभ्यता (विशेषताएँ)

BY

Dr. Komal (Guest professor)

SNSRKS, college, Saharsa

History

Scanned with CamScanner

Q:- सिन्धु सभ्यता से आप क्या समझते हैं।

Ans:- जिस तरह मिस्र की सभ्यता नील नदी की घाटी में और मेसोपोटामिया की सभ्यता को दजला और फ्रात नदियों की घाटियों में आश्रय मिला, उसी तरह उत्तरी भारत के पश्चिमी भाग में सिन्धु नदी की घाटी ने एक गौरवशाली सभ्यता को जन्म दिया। सिन्धु घाटी द्वारा प्रकाशित उस गौरव-शाली सभ्यता को हम सिन्धु घाटी के नाम से जानते हैं जो मिस्र और मेसोपोटामिया की समकालीन थी।

यह सभ्यता उत्तर पाषाण-काल के बाद आनेवाले धातु-युग की सभ्यता थी। धातु की आविष्कार होने के बाद मानव-सभ्यता तीव्रगति से विकासोन्मुख हो उठी। सिन्धु घाटी की सभ्यता ताम्रयुगीन सभ्यता थी क्योंकि पीतल तथा अन्य-धातुओं के अस्त्र-शस्त्र के अतिरिक्त यह

तांबे का अधिक प्रचलन था।

खोज :-

→ चार्ल्स मैसन से 1826 में खोज किये। परंतु इसपर ज्यादा शोध नहीं किया गया।

→ बर्टनबंच्चु ने 1856 ई० में जब रेल की पटरी बैठाने के क्रम में खुदाई की तो उन्हें कुछ अवशेष प्राप्त हुये। परंतु उन्होंने भी बस कुछ बेसिक जानकारीयां दी।

→ कनिंघम ने 1853-1856 में कुछ जानकारी उपलब्धि करायी।

→ सर जॉन मार्शल के नेतृत्व में खुदाई की गई। सर जॉन मार्शल तभी पुरातत्व विभाग के हेड थे जिनके नेतृत्व में दयाराम साहनी तथा राखलदास बनर्जी ने खुदाई में क्रमशः हड़प्पा और मोहनजोदड़ो के अवशेष प्राप्त

किये।

काल :- विभिन्न विद्वानों ने सिन्धु सभ्यता के समयावधि के बारे में भिन्न-भिन्न मत दिये।
सर जॉन मार्शल के अनुसार 3250-2750 B.C तक माने है।

C14 पद्धति जो कि जीवाश्म की आयु ज्ञात करने के विश्वनीय पद्धति है उसके अनुसार इसकी समयावधि 2300-1750 B.C मानी गई है।

नामकरण :-

चूंकि सिंधु घाटी के समीप यह सभ्यता फली-फूली इसलिये इसे सिंधु घाटी की सभ्यता कहते है।
दयाराम साहनी ने सर्वप्रथम हड़प्पा नाम के स्थल पर इस सभ्यता की खोज की थी इसलिये इसे हड़प्पा

Scanned with CamScanner

Su Mo Tu We Th Fr Sa Date: / /

सभ्यता भी कहते हैं।

उद्भव :-

कुछ विदेशियों के अनुसार यह सभ्यता एक सुमेरियन सभ्यता है क्योंकि यह सभ्यता सुमेरियन सभ्यता से मेल खाती है। परंतु भारतीय विद्वानों ने इस बात को खारीज करते हुये बताया यह कि सुमेरियन की मुद्रा तथा सिंधु की मुद्रा अलग-2 थी तथा बहुत कुछ भिन्नतायें थी। भारतीयों के अनुसार सिन्धु सभ्यता का उद्भव द्रविड़ों ने किया। परंतु कुछ भारतीयों ने कहा है कि इसका विकास आर्यों ने किया था।

विशेषतायें :-

1. यह सभ्यता मुख्यतः [illegible] सभ्यता थी जिसमें [illegible] का [illegible] उन्नति हुई।

Samsung Triple Camera
Shot with my Galaxy M30s

Scanned with CamScanner

Date: / /

2. वैदिक सभ्यता की भांति यह सभ्यता ग्रामीण तथा कृषि प्रधान सभ्यता नहीं थी वरन नगरीय तथा व्यापार - प्रधान थी, जिसमें बड़े - 2 नगरों की स्थापना की गई थी और अन्य देशों के साथ व्यापारिक संबंध स्थापित किया गया था।

3. इस सभ्यता की प्रमुख विशेषता थी कि इस सभ्यताओं में राजाओं उनके राज - प्रासादों का अस्तित्व नहीं था। सैन्धव सभ्यता की प्राप्त सामग्रियां ही उनके सामूहिक जीवन का द्योतक है।

4. यह सभ्यता लोकतंत्रात्मक शासन व्यवस्था की द्योतक थी। जिसका आचार केन्द्रीभूत शासन था। शासन सत्ता 2 प्रधान केन्द्रों में विभक्त थी।

5. सैन्धव सभ्यता औद्योगिक सभ्यता थी जहां व्यापार तथा उद्योग

Samsung Triple Camera
Shot with my Galaxy M30s

Scanned with CamScanner

समुन्नत दशा में था। फलत: सिन्धुवासियों का आर्थिक जीवन औद्योगिक विशिष्टीकरण तथा स्थानीकरण पर आधारित था।

6. सैंधव सभ्यता के अंतर्गत एक प्रकार के व्यवसाय करनेवाले लोग एक ही क्षेत्र में निवास करते थे।

7. सिंधु सभ्यता शांति प्रधान सभ्यता थी। खुदाई में कवच आदि के सिरस्त्राण, ढाल, तलवार, कुल्हाड़ी, धनुष - बाण आदि अधिकतर स्थान पर मिले हैं।

निष्कर्षत: उपरोक्त तथ्यों में वर्णित लेखों से स्पष्ट होता है कि भारतीय सभ्यता का उषाकाल है सिंधु सभ्यता।

Samsung Triple Camera
Shot with my Gal...

Scanned with CamScanner